[श्री राम नरेश यादव]

मांग रखीं। जो सारी मांगे रखी गई थीं मैं उनमें से कुछ मुख्य मांगें बता देना चाहता हूं। पहली मांग तो यह थी कि हाथरस में जो फाइरिंग की घटना हुई उसकी सी०बी० आई० से जांच करवाई जाए। दूसरी जो मांग है कि जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा जिन लोगों की मौजूदगी में फाइरिंग हुई और जो आज भी उन अवांछनीय तत्व को संरक्षण दे रहे हैं उनको वहां से हटाया जाए क्योंकि इनकी सारी साजिश से ही उन अवाछनीय तत्वों के खिलाफ कोई कार्य-वाही नही हो पा रही है। उनके पास आज भी लाइसेंस है वे सेसपेंड नहीं किए जा रहे है इसलिए उनको निलंबित किया जाए और साथ ही साथ यह जो बृजमोहन और रवीद्र हैं इनके परिवार वालों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जाए। साथ ही हाथरस शहर में जो बिजली और पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है इस समस्य को हल करने की दिशा में भी कदम उठाये जाएं। यह मांग-पत्र दिया गया था तथा और भी बहुत सी बातें थी। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस घटना की सी०बी०आई० से जांच करवाई जाए और इन अधिकारियों को निलंबित किया जाए तथा उनका स्थानान्तरण वहां से किया जाए और मृतक परिवारों के लोगों को उनकी जीविका का सहारा देने के लिए, क्योंकि उनके परिवार में कोई विशेष सहायता करने वाला बचा नहीं है जो कि सहारा दे सके। उनकी बहुत दयनीय स्थिति है उन लोगों के घरों पर भी हम लोग गए थे जो करुण कहानी उनके परिवारों की है उसको सुनने के बाद और उनकी दशा देखने के बाद हृदय बहुत द्रवित हो जाता है, इसलिए मैं सरकार से मांग करता हूं कि उन परिवारों के लोगों को उनके भविष्य की रक्षा करने के लिए एक-एक लाख रुपये की व्यवस्था कराई जाए और शिक्षा की तथा हर तरह की व्यवस्था करने का जिम्मा सरकार अपने ऊपर ले, यह मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से सरकार से मांग करता हूं। धन्यवाद।

Reported beating up of students from Bihar in Delhi Public School

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह आहलूवालिया (बिहार) : उप सभाध्यक्ष महोदय, मैं मथुरा रोड पर स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के अधिकारियों के खिलाफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि इस स्कूल में 11वी और 12वीं में पढ़ने वाले छात्रो में करीब 80 फीसदी संख्या बिहार से आने वाले छात्रों की है। गत 12 तारीख को जबकि उस स्कूल में ओल्ड स्टूडन्ट्स का एक सम्मेलन मनाया जा रहा था, रात के वक्त एक फंक्शन किया जा रहा था, और उसमें कुछ बाहर से आए हुए छात्रो ने और कुछ पुराने छात्रों ने मिलकर और स्कूल के छात्रों ने मिल कर शराब पी रखी थी, स्कूल की यह अवस्था है और उन्होंने बोर्डिंग के अन्दर घुस कर एक-एक बिहारी छात्र को निकाल कर इसलिए मारा कि वह बिहारी है। इसकी शुरूआत उस दिन से होती है। उपसभाध्यक्ष महोदय, कि जब ये नए छात्र इस स्कूल में भर्ती होते हैं तो यह जो रैंगिंग का एक फैशन चला रखा है, इस रंगिंग के नाम पर इन छात्रों को अशोभनीय और अनैतिक क्रियाएं करने के लिए मजबूर किया जाता है। बिहार के छात्रों ने इसका विरोध किया, जिस विरोध का आज उन्होंने बदला लिया। अभी जो 11वीं कक्षा में नए छात्र भर्ती हुए हैं बिहार से आए हुए छात्र, उनके साथ जो अशोभनीय व्यवहार हुआ उसकी रिपोर्ट प्रिंसीपल तक पहुंचाई जिसके कारण पांच सीनियर स्टूडेण्ट्स को ससपेंड किया गया था इन्होंने उसका बदला लेने के लिए बोर्डिंग के कमरे में घुस-घुस कर, नाम पूछ कर, पता पूछ कर और वहां कुछ और नेपाली लड़के थे जिन्होंने यह परिचय कराया कि यह बिहारी है तो उनको मार कर जख्मी किया गया। अभी भी वहां एक लड़का है विकास केडिया जिसकी कि भुजाली से कट जाने के कारण गले में करीब 8 स्टिचेज़ हैं जो कि मूल चंद होस्पीटल में ट्रीटमेंट लेकर स्कूल के क्लिनिक में पड़ा है। और दस लड़के अपनी जान बचाकर, किसी को चाकू लगा है, किसी को साइकिल की चेन लगी है, किसी को लाठियों से मारा है और वह दसों लड़के भागकर, अपनी जान बचाकर बिहार भवन में पिछले पांच-छह दिनों से रह रहे हैं।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यानाकर्षण करना चाहता

हूं कि यह दिल्ली शहर में दिल्ली पब्लिक स्कूल का नाम बहुत अच्छा जाना जाता था, किन्तु स्कूल के अंदर यह जो कार्यवाही हो रही है, वह अच्छी नहीं है। वहां पर एक सुप्रिटेंडेंट हैं राजेन्द्र सिंह नाम के, जिनका व्यवहार छात्रों से बहुत ही खराब है और स्कूल में वह अपनी राजनीति लाकर कास्टिज्म और रीजनिलिज्म को जन्म दे रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है कि उस स्कूल के बोर्डिंग के प्रीफैक्ट बिहारी हैं, वालीबाल की टीम का केप्टन बिहारी है, कंपटीशन में अच्छे नंबर उनके आते हैं, इस कारण ईर्ष्या हो रही है और इनके साथ ऐसा व्यवहार हो रहा है।

उपसभाध्यक्ष महोदय, उन्होंने स्कूल की तरफ से एक जांच कमेटी बनाई है। पर उन छात्रों को और मुझे उस कमेटी पर कोई विश्वास नहीं है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि सरकार की तरफ से दिल्ली पब्लिक स्कूल की इस घटना की जुडिशियल इन्कवायरी होनी चाहिए क्योंकि वहां इतने लड़के जख्मी होने के बावजूद दिल्ली पब्लिक स्कूल की तरफ से कोई रिपोर्ट पुलिस में नहीं की गई है और ये लड़के जख्मी होकर अभी भी पड़े हुए हैं। यह घटना तो एक न्यूज-पेपर ने सबको बताई, उसी के माध्यम से लोगों को पता लगा और लोगों ने हम तक पहुंचाई और हम सरकार तक पहुंचा रहे हैं। मैं डिमांड करता हूं कि इसकी जूडिशियल इंक्वायरी हो और उसकी रिपोर्ट सदन के पटल पर विचार करने के लिए रखी जाय। धन्यवाद।

उपसभाध्यक्ष (श्री आनन्द शर्मा): श्री आर० आर० साहू।

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, श्री अहलुवालिया जी ने जो विशेष उल्लेख दिया है, उसके समर्थन में मैं मांग करता हूं कि इसकी जांच हो। इस तरह की घटनाएं निश्चित रूप से आए दिन हुआ करती हैं और कुछ लोग हैं, जो मनमानी कर रहे हैं।...

उपसभाध्यक्ष (श्री आनन्द शर्मा): राम अवधेश जी, साहू जी को बोलने दीजिए। उसके बाद हाऊस की सेंस जो है, उसे सरकार तक पहुंचा दिया जाएगा।

श्री रजनी रंजन साहू (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं श्री अहलुवालिया जी द्वारा उठाए गए विशेष उल्लेख का समर्थन करता हूं। साथ ही मैं यह कहना चाहता हूं कि यह बहुत ही दुखद घटना है। देखा गया है कि इस तरह के स्कूल में, खास कर दिल्ली पब्लिक स्कूल की सभी शाखाओं में हमारे देश की संस्कृति, हमारे नेताओं की अभिलाषा के प्रतिकूल, गुरुकुल की परिकल्पना के परे एक घृणित वातावरण बनता जा रहा है। यह एक बड़ा ही खराब ट्रेण्ड है, यह इम-मेंटरियल है कि किन बच्चों में मारपीट हुई, कौन पिटा और कौन पिटता रहेगा। जिन भावनाओं से प्रेरित होकर यह एक घटना घटी है, इससे सरकार को सचेष्ट होना चाहिए और सरकार को इस पर अपना वक्तव्य देना चाहिए कि इस घटना की जड़ में कौनसी बातें हैं और क्यों ऐसी घटना वहां घटी? आगे ऐसी घटना न घटे, इसके लिए मैं सरकार से आश्वासन चाहूंगा। साथ ही चाहूंगा कि दिल्ली पब्लिक स्कूल के कद को सरकार को छोटा करना चाहिए क्योंकि इसके जो संचालक हैं और जो अन्य व्यवस्थापक है, वे बच्चों को एक हारमोनी में रहने नहीं देना चाहते हैं। इसके लिए वे जिम्मेदार हैं।

अंत में मैं सरकार से यह मांग करता हूं कि जो दिल्ली पब्लिक स्कूल का वातावरण है, उसकी जांच करवाएं और तत्काल दिल्ली पब्लिक स्कूल के संस्थापक पर कार्यवाही की जाय। धन्यवाद।

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir, it is quite unfortunate that the police was not allowed to file FIR by the Director and Principal. May I know from the hon. Minister to whom the memorandum has been given by the students to take necessary action? I also request that a judicial enquiry may be ordered and the report be submitted before this House.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI ANAND SHARMA): The sense of the House will prevail.

श्री राम अवधेश सिंह : उपसभाध्यक्ष महोदय . . .

उपसभाध्यक्ष (श्री आनन्द शर्मा) : हम ने कह दिया कि हाउस का जो सेंस है वह सरकार तक पहुंचा दिया जाये । मैं अनुमति नहीं दे रहा हूं, आप बैठ जाइए ।

श्री राम अवधेश सिंह : महोदय, मेरी बात तो सुनी ही नहीं गयी । एक संसदीय समिति बनाकर उसकी जांच करायी जाय । तीन चार एम०पी० लोग जांच कर अपनी रिपोर्ट दें और सरकार इस पर कार्यवाही करे ।

डा० अबरार अहमद खान (राजस्थान) : मैं भी श्री अहलुवालिया के उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं ।

Strike by Technicians of Telecommunications Department

SHRI MANMOHAN MATHUR (Orissa) : Mr. Vice-Chairman, Sir, I thank you for giving me this opportunity to raise this matter of urgent public importance. Sir, the Bharatiya Telecommunication Technicians Union in support of their demands are on nation-wide agitation, 'Do or die battle" for justice from 26th July, 1988 in the form of work to rule 26th July to 9 August, 1988 and indefinite "tool down" from 10th August, 1988 causing in communication disturbances to the people in general and the consumers in particular.

The Bharatiya Telecommunication Technicians Union represents the entire 30,000 technicians and technical supervisors of the Telecommunication deaprtment of the country. The rapid changes in Telecommunication technology is being put into effect by physically installing and maintaining all sophisticated equipments by these people. They have been fighting for the last ten years in support of their demands especially for revision of pay scale. Whenever their demands are put forth before the authorities they tried to delay it by appointing various committees, for instance, Sarini Committee, 1980. Indian Institute of Management, Bangalore, 1983. Khosla Committee, 1986 and Agarwal Committee during 1987, but without any concrete result. Even the Telecommunication technicians are denied the benefits which all the Central Government employees are enjoying from the 1st January, 1986 as per the recommendation of the Fourth Central Pay Commission. For this injustice these people have been agitating for the last 10 years wearing black bades demonstrating and performing extra work for two hours daily for 15 days during 1981. They have sit on relay fast, indefinite hunger fast and non-cooperation movement for 28 days in 1986; non-cooperation during 1987 and 21 days complete tool down during February-March, 1988. On 17-8-88, they organised a mass rally at Boat Club, New Delhi and submitted a memorandum to the Hon'ble Speaker of Lok Sabha. All this results in a lot of hardship to the people and loss of crores of rupees to the nation. They have been assured by the department many a time and even have reached so many agreements in the presence of Deputy Chief Labour Commissioner and Chief Labour Commissioner on 5th August 1986, 10th November, 1986, 6th and 7th March, 1988. Even the hon. Minister, Shri Vasant Sathe assured on the floor of both the Houses of Parliament that the issue has already been settled and the workers are happy.

Sir, it is unfortunate that all these agreements and assurances of the Hon'ble Minister were dishonoured by the department. Sir, for all these reasons, in support of their demands, they are again on strike causing hardship to the public. Sir, I am afraid, if this issue is not settled and the strike is not called off, the whole system will collapse and the nation will be isolated from the Telecommunication service, especially the backward areas of my district Kalahandi in in the State of Orissa where the telephone exchanges are manually operated. The same have started deterforating and may resulting total collapse.